हिन्दी पखवाड़ा -2022 उद्घाटन सत्र प्रतिवेदन

संस्थान में हिन्दी पखवाड़ा -2022 का उद्घाटन 14 सितंबर 2022 को 3.00 बजे सभागृह में आयोजित किया गया । कार्यक्रम का शुभारंभ मंच पर उपस्थित संयुक्त निदेशक एवं कार्यक्रम के अध्यक्ष डा. एन. पी. साहू, संयुक्त सचिव, श्री राजीव लाल, समस्त विभागाध्यक्ष एवं मुख्य तकनीकी अधिकारी श्री प्रताप कुमार दास के कर कमलों से दीप प्रज्ज्वलित कर हुआ ।

तत्पश्चात श्रीमती स्मिता कोली, सहा. प्र. अधिकारी ने स्वागत गान प्रस्तुत किया । स्वागत गान के पश्चात कार्यक्रम अध्यक्ष डा. एन. पी. साहू ने राजभाषा प्रतिज्ञा का वाचन कर समस्त कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं को शपथ ग्रहण करवाया । इसके बाद श्री प्रताप कुमार दास, मुख्य तकनीकी अधिकारी ने हिन्दी दिवस की पृष्ठभूमि एवं महत्ता पर

प्रकाश डालते हुए संस्थान के विगत तीन दशकों का हिन्दी प्रगति प्रतिवेदन तथा हिन्दी पखवाड़ा -2022 की रुपरेखा प्रस्तुत किया ।

इसके बाद अध्यक्ष महोदय ने हिन्दी दिवस के इस पावन पुनीत अवसर पर विभागाध्यक्षों को भी उद्बोधन हेतु आमंत्रित किया । इस श्रृखंला में विभागाध्यक्ष डा. एन. के. चड्डा, डा. अपर्णा चौधरी एवं नियंत्रक श्री रजनीश कुमार सिंह ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए । तत्पश्चात संस्थान में नवनियुक्त संयुक्त सचिव श्री राजीव लाल जी ने हिन्दी दिवस के विशेष अवसर वर अपने उद्बोधन प्रस्तुत किए । आपने हिन्दी में कार्य करने पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिन्दी अनुभाग के अधिकारी प्रशासन सहित सभी विभागों में जाकर अधिकारियों के पास बैठकर हिन्दी में उनकी समस्याओं का निवारण करें और हिन्दी में कार्य की प्रतिशतता को बढ़ाएं । प्रशासन से निर्गत होनेवाले समस्त आदेशों, परिपत्रों आदि प्रलेखों का अनुवाद प्रस्तुत कर द्विभाषी में जारी करने की सुविधा प्रदान करें । इसके लिए कर्मचारियों एवं हिन्दी अनुभाग के बीच समन्वय दोनों आवश्यक है । हिन्दी केवल समारोह की भाषा बनकर न सीमित रह जाए बल्कि हम सभी जिम्मेदारीपूर्वक इस संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन करें ।

इसके उपरांत संयुक्त निदेशक एवं कार्यक्रम के अध्यक्ष डा. एन. पी. साहू ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में हिन्दी के बढ़ते कदम, प्रसार-प्रचार, बाजार व्यवसाय, सिनेमा, साहित्यिक उत्थान, शिक्षा सभी विषयों पर हिन्दी की वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डाला । आपने सभा को अवगत कराया कि हिन्दी आज विश्व के 176 विश्वविद्यालयों में भाषा एवं साहित्य के रुप में पढ़ाया एवं सिखाया जा रहा है । भारतीय सिनेमा के कुछ चुनिंदा फिल्म भारत से अधिक विदेशों में राजस्व की कमाई किया है । इससे हिन्दी की लोकप्रियता समझी जा सकती है । आपने आंकड़ों के जरिए हिन्दी के विकास की यात्रा प्रस्तुत की । आपने राजभाषा विभाग द्वारा संचालित पुरस्कार योजनाओं तथा हिन्दी टूल्स का भी विस्तार से जानकारी प्रस्तुत किया । संस्थान की हिन्दी उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए यह भी सलाह दिया

कि विगत कई वर्षों से संस्थान को हिन्दी के क्षेत्र में कोई राष्ट्रीय स्तर का पुरस्कार प्राप्त नहीं हुआ है । अतः इस कार्य हेतु प्रयास किए जाएं । वैज्ञानिकों से मौलिक हिन्दी पुस्तक लेखन का भी आहवान किया । आपने जलचरी पत्रिका हेतु ISBN No. प्राप्त करने का भी उल्लेख किया जिससे वैज्ञानिकों को इसमें हिन्दी लेख का लाभ मिल सके ।

अंत में श्री सूरज गुप्ता, स.प्रशा. अधिकारी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ ही उद्घाटन सत्र का समापन किया गया ।